अम्बेदकर के आदर में क्रांतिकारी गाना ।

जब तक है आकाश में सूरज ।
गंगा में है पानी ।।
अमर रहेगा इस धरती पर ।
अम्बेदकर की अमृत वाणी।।
छोटी जाति,छोटी पाती ।
छोटे कूल में जन्म लिया।।
गुदरी के इस लाल ने ।
मानव को यह संदेश दिया ।।
उठो दलित ललकार रहा, इतिहास तेरी मरदानी ।
समता मूलक समाज बनाना
अम्बेदकर की वाणी।
चैन न लो जब तक धरती पर
दलितों का कल्याण न हो
मुड़ो कभी न झुको कभी न
जीवन का यहो व्रत लो
याद करेगी आने वाली पिढ़ी तेरी कहानी ।।
समता मूलक समाज बनाना ।
अम्बेदकर की वाणी ।।
रूख बदल दो आंधियों का
डाल के बाहों में बॉह
याद करेगी आने वाली
पिढ़ी तेरी कहानी
समता मूलक समाज बनाना
अम्बेदकर की वाणी----------

।।

ये तो हक की लड़ाई है--4

अपने हक अधिकार के खातीर ।

सच्चाई जोस में आई है ।।

बहुत धोखा खा चुके ।

पर अब न धोखा खायेंगे

अपने हक अधिकार के खातीर

जूल्मी से टकरायेंगे।

ये तो हक ----------

III

अम्बेदकर हमार बाड़न --2

शेरे हिन्दुस्तान हो, गरीबवन के

कैले बाड़न बड़ा उपकार हो --2

दलितन के झोपड़ी में अम्बेदकर बाबा अईलन

झोपड़ी में आई के दलित के जगईलन

दलित के दिला दिहलन

हम अधिकार हो

गरीबवन के कैले बाड़न

बड़ा उपकार हो --2

बाबा साहब तेजलन अपनी प्रणमा

ललनमा दलित करनमा ना ।

दलित रोबे, बहुजन रोबे

रोबे सकल जहनमा।

बाबा साहेब खातिर दलितन रोबे

सुन भेल हिन्दुस्तनमा

ललनमा दलित करनमा ना ।।

बाबा अम्बेदकर साहब तेजलन अपनी प्रणमा

ललनमा दलित करनमा ना

लेई के चली गेलन देश के रतनमा

हक अधिकार छिनलन

पापी दुश्मनमा

लेई के चली गेलन देश के रतनमा

बाबा साहब तेजलन ---------

IV

कविता

बाबा साहब का यही था कहना ।

अनपढ़ बनकर कभी न रहना ।।

अंगूठा छाप लगाओगे ।

जीवन भर पछताओगे ।।

शिक्षा जीवन में आयेगा ।

नई रोशनी लायेगा ।।

शिक्षित बनो, संगठित रहा ।

संघर्ष के लिए रहो तैयार ।।

****